जिलाधिकारी महोदय, आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 18 जून, 2025 को शाम 4:30 बजे से जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक का कार्यवृत्त।

जिलाधिकारी महोदय, आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 18.06.2025 को जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, आगरा, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे), आगरा, श्री पंकज अग्रवाल, अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) आगरा, समस्त सहायक अभियंता, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), श्री सुभाष सक्सेना, जिला [illegible] विभाग, श्री मनीष कुमार जिला पंचायत राज अधिकारी, श्री ललित कुमार, वन रेंज अधिकारी, श्री [illegible] डिप्टी सीएमओ, श्री [illegible] अधिकारी, श्री सौरभ आनंद, एक्सईएन0, श्री दीपक कुमार, भूगर्भ जल विभाग, डॉ0 सुशील कुमार, डिप्टी सीएमओ, श्री [illegible] उपजिलाधिकारी [illegible] जिला विद्यालय निरीक्षक श्री रामायण सिंह यादव जिला विकास अधिकारी, श्रीमती नीलम तिवारी उपजिलाधिकारी [illegible], श्री ललित कुमार, सहायक अभियंता [illegible], श्री विरेन्द्र सहायक अभियंता लघु सिंचाई, श्री वीरेन्द्र सिंह बीडीओ फतेहपुर सीकरी, श्री ललित कुमार, सहायक अभियंता [illegible], कार्यदायी संस्था मै0 [illegible] श्री रविन्द्र जैन, डीपीएम, टीपीआई, श्री आनन्द कुमार सिंह जिला समन्वयक, डीपीएमयू, कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 लि0 से श्री रमेश कृष्णा, डीजीएम, मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 से श्री दीपक, श्री दीपक कुमार डीपीएम और श्री बल्देव यादव इंजी0 आदि उपस्थित रहे।

बैठक में सतही स्त्रोत आधारित ग्राम समूह पेयजल योजना की प्रगति पर एजेन्सीवार चर्चा की गयी –

मै0 एन0सी0सी0–एफको(जे0वी0), पैकेज–01

1. भूमिगत जलाशय (CWR) की प्रगति– जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा कुल 17 सी0डब्ल्यू0आर0 का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी है। 07 सीडब्लूआर पर 51–75 प्रतिशत एवं 10 सीडब्लूआर पर 76–99 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा डीजीएम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही निर्देशित किया गया कि टीपीआई तथा जल निगम के अभियन्ताओं द्वारा आरएमसी प्लांट पर निर्माण सामग्री की नियमित जाँच की जाये।

2. पम्प हाउस (Pump House) की प्रगति– जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा 17 सीडब्लूआर तथा 17 पम्प हाउस का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि 9सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर 51–75 प्रतिशत एवं 08 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर 76–99 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा डीजीएम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये।

3. पाइप लेईंग – अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था को कुल 1987.71 किमी पाइप बिछाये जाने के सापेक्ष 1065 किमी कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें से MS Pipe 166.31 किमी0 एवं DI Pipe 1802.40 किमी0 बिछाया जाना प्रस्तावित है MS Pipe 149.68 किमी0 एवं DI Pipe 1347.62 किमी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा MS Pipe 64.2 किमी0 एवं DI Pipe 1003.80 किमी0 पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा डीजीएम एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि शेष पाइप की आपूर्ति कर ली जाये तथा टीम व मैनपावर की संख्या बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

4. हाइड्रोटेस्टिंग– समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 1065 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 163.97 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा डीजीएम, एनसीसी को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की उपस्थिति में की जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप बिछाये जा चुके हैं सभी की अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार प्रेशर बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये जिससे भविष्य में पानी लीकेज की समस्या न हों।

5. डिजाइन व ड्राइंग– टी0पी0आई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि कहीं–कहीं साइट पर कार्य हेतु एप्रूव्ड ड्राइंग, कॉन्ट्रेक्टर द्वारा टीपीआई के कर्मचारियों को नहीं दी जा रही है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया गया कि सभी एप्रूव्ड ड्राइंग की सूची तत्काल टीपीआई को उपलब्ध करायी जाए तथा जिन ड्राइंगों का विभाग द्वारा एप्रूव्ड नहीं हुआ है कॉन्ट्रेक्टर उन्हें अतिशीघ्र विभाग द्वारा एप्रूव्ड कराकर टीपीआई को उपलब्ध कराये। टीपीआई तथा अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) व समस्त सहायक अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि विभाग द्वारा एप्रूव्ड डिजाइन के अनुसार ही निर्माण कार्य करायें।

6. रोड रेस्टोरेशन– अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 द्वारा रोड डिसमेंटलिंग 19.52 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 4.11 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 15.41 किमी0 रोड रेस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा डीजीएम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

Scanned with OKEN Scanner

7 नॉन–कंप्लायंस रिपोर्ट– टी0पी0आई0 के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 एन0सी0आर0 पर कुल 67 एन0सी0आर0 लगायी गयी थी जिसमें से 54 एन0सी0आर0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 13 एन0सी0आर0 अभी लंबित हैं जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गया है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 एन0सी0आर0 के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0आर0 का नियमानुसार पूर्ण कराये तथा अनुपालन आख्या भिजवायें।

8 एन0ओ0सी0– अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 एन0एच0ए0आई0 को वन विभाग से दो एप्लीकेशन का डिमाण्ड नोट प्राप्त हो गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 एम0ई0आई0 के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि नियमानुसार स्टीमेट फीस के भुगतान को तत्काल किया जाये। इसके साथ–साथ रेलवे से सम्बन्धित जितनी भी एन0ओ0सी0 पेंडिंग है उसके लिए डी0आर0एम0 महोदय से वार्ता कर प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करें। तथा अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी के स्तर से लंबित अनुमति/अनापत्ति प्राप्त किये जाने हेतु शासन में पत्र प्रेषित करायें।

<u>मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, पैकेज–02</u>

1 अवर जलाशय (OHT) की प्रगति– अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजीनियरिंग द्वारा अभी तक 407 के सापेक्ष मात्र 368 ओ0एच0टी0 पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें 147 ओएचटी पर 0–25 प्रतिशत, 101 ओएचटी पर 26–50 प्रतिशत, 84 ओएचटी पर 51–75 प्रतिशत, 36 ओएचटी पर 76–79 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है। टीपीआई द्वारा बताया गया कि 368 ओएचटी पर पीसीसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष बची हुई 09 ओएचटी पर खुदाई का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 30 ओएचटी पर कार्य अनारम्भ है। 216 ओएचटी ग्राउण्ड लेवल से ऊपर आ चुकी है। 84 ओएचटी पर स्टेजिंग बीम का कार्य हो चुका है। 36 ओएचटी पर स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिनमें से 09 ओएचटी पर जिंक एलम टैंक का कार्य पूर्ण हो चुका है। तथा 01 ओएचटी पर आरसीसी डोम का कार्य प्रगति पर है। टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया 3102 के सापेक्ष मात्र 441 मैनपावर उपलब्ध है जो कि बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य अत्यन्त धीमी गति से हो रहा है जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी प्रकट करते हुए मै0 मेघा इंजी0 के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर बढ़ायें एवं कार्य को मानक गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें तथा शेष बची 30 ओएचटी पर शीघ्र ही खुदाई/पीसीसी का कार्य करायें साथ ही अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि अधिशासी निदेशक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन लखनऊ को कार्यों की धीमी प्रगति एवं आवश्यकता से कम लेबर लगाये जाने के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी के माध्यम से पत्र भिजवायें।

2 पाइप लेइंग– अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइप लेइंग के अन्तर्गत कुल 7557.78 किमी पाइप बिछाये जाने का लक्ष्य है जिसमें से कुल 6033 किमी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा कुल 4414 किमी पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि वह शेष डिस्ट्रीब्यूशन पाइप की आपूर्ति को लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण कराना सुनिश्चित करे तथा टीम व मैन पावर की संख्या बढ़ाते हुए गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि पाइप बिछाये जाने के दौरान लेइंग की गहराई का विशेष ध्यान रखते हुए मानक के अनुसार कार्य कराना सुनिश्चित करें। अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि अधिशासी निदेशक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन लखनऊ को पाइप लेइंग की धीमी प्रगति के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी के माध्यम से पत्र निर्गत कराया जाये।

3 हाइड्रोटेस्टिंग– समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 4414 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 963.69 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा पीएम, मेघा इंजी0 को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानको के अनुसार सभी पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की ज्वाइंट उपस्थिति में की जाये, यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप बिछाये जा चुके है सभी की अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार प्रेशर बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये जिससे भविष्य में पानी लीकेज की समस्या न हो।

4 एफ0एच0टी0सी0 की स्थिति– अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद आगरा में कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजीनियरिंग को 810 राजस्व ग्रामों में कुल 296833 एफ0एच0टी0सी0 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष 111967 एफ0एच0टी0सी0 कनेक्शन दिये गये हैं। मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि मशीनरी व लेबर की संख्या बढ़ाते हुए नल संयोजन की गति को तीव्र कराए। हाउस टैप कनेक्शन को घर के अन्दर तक पहुंचाया जाए एवं स्कूलों, पंचायती भवनों, आंगनबाड़ी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो व अन्य सरकारी भवनों पर भी नियमानुसार नल संयोजन कराये जाए तथा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक दशा में एफ0एच0टी0सी0 कनेक्शन घर के अन्दर ही हो एवं सही तरीके से क्लैंपिंग व ज्वाइंटिंग की जाये।

5 रोड रेस्टोरेशन– अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजी0 द्वारा रोड डिस्मेंटलिंग 1144.46 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 867.16 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 277.3 किमी0 रोड रेस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी प्रकट की गयी। मै0 मेघा के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान सी0सी0 रोड की कटिंग जे0सी0बी0 से न कराकर रोड कटर से करायें व कॉम्पेक्टर के माध्यम से पूर्ण कॉम्पेक्शन करायें। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) अपनी देख रेख में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ–साथ जहाँ–जहाँ पर निर्माण कार्य

Scanned with OKEN Scanner

चल रहे हैं वहाँ सेफ्टी मेजर का विशेष ध्यान रखा जाये, यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही होती है तो सम्बन्धित की जवाबदेही निर्धारित करते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी। अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) आगरा को निर्देशित किया गया कि अधिशासी निदेशक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन लखनऊ को रोड रेस्टोरेशन की प्रगति सन्तोषजनक न होने के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी के माध्यम से पत्र प्रेषित कराया जाये।

6. नॉन-कम्प्लायंस रिपोर्ट– टी0पी0आई0 के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग को कुल 145 एन0सी0आर0 लगायी गयी थी जिसमें से 98 एन0सी0आर0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 47 एन0सी0आर0 अभी लंबित हैं जिनकी अभी तक कार्यवाही संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गयी है, जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0आर0 को नियमानुसार पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

7. एन0ओ0सी0– अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी0 द्वारा एन0ओ0सी0 के कार्यों में रूचि नहीं ली जा रही है वन विभाग में NOC के लिए मै0 मेघा इंजी0 द्वारा ऑनलाइन आवेदन नहीं किया गया। अतः मै0 मेघा इंजी0 के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि वन विभाग की एन0ओ0सी0 तत्काल अप्लाई करें। इसके साथ-साथ अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि एनओसी के सम्बन्ध में यह देख ले कि मै0 एनसीसी व मै0 मेघा इंजी0 में आवेदन हेतु यदि कोई एनओसी लम्बित है तो तत्काल अप्लाई करायें।

अतः आप सभी को निर्देशित किया जाता है कि परियोजना के ओएचटी, सीडब्ल्यूआर पर निर्माण कार्यों तथा पाइप लेइंग आदि को निर्धारित डिजाइन ड्रॉइंग एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार तीव्र गति से पूर्ण करायें, नल संयोजन प्रत्येक दशा में घरों के अन्दर किये जाये। रोड रेस्टोरेशन के कार्यों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए पूर्ण कराया जाये तथा सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाये। यदि भविष्य में निरीक्षण में उक्त के सम्बन्ध में लापरवाही/कमी पायी जाती है अथवा इस सम्बन्ध किसी भी प्रकार की शिकायत की पुष्टि होती है तो अनुबंध के अनुसार सुसंगत धाराओं/शर्तों के आधार पर कठोर दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आप सभी का होगा।

अधिशासी अभियंता/ सदस्य सचिव
(जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन)
आगरा।

कार्यालय जिलाधिकारी आगरा।

(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति)

पत्रांक 730 /जे0जे0एम0/का0प्र0/ 2025 / दिनांक 21-6-2025

प्रतिलिपि:– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक महोदय राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।
2. जिलाधिकारी महोदय को सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी महोदया ।
4. अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, आगरा।
5. अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों को लागू कराते हुए अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।
6. अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (वि0/यां0), आगरा को इस निर्देश के साथ जहाँ-जहाँ सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है वहा पर E&M के उपकरण/मशीनरी की आपूर्ति कराकर शीघ्र ही इन्स्टॉलेशन का कार्य प्रारम्भ करायें।
7. समस्त सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), आगरा इस निर्देश के साथ प्रेषित कि वह स्वयं अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर अपने पर्यवेक्षण में गुणवत्ता एवं मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।
8. डी0पी0एम0, फिशनर कन्सल्टिंग इंजीनियर्स (इण्डिया) प्रा0 लि0 आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखें।
9. जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई (डी0पी0एम0यू0), आगरा को अनुपालनार्थ।
10. डी0जी0एम0, मैसर्स एन0सी0सी0 एफको (जे0वी0) (पैकेज-1), आगरा को अनुपालनार्थ।
11. प्रोजेक्ट मैनेजर मैसर्स मेघा इंजी0 एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 (पैकेज-2), आगरा को अनुपालनार्थ।

अधिशासी अभियंता/ सदस्य सचिव

HICD Agra\ Agra\DWSM_Final_Minus of Meeting 16-04-2025

Scanned with OKEN Scanner